RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 08 DECEMBER TO 14 DECEMBER 2021 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 14 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

शक्ति पम्पस ईवी मोटर्स, चार्जर्स, कंट्रोलर्स और ड्राइव्स के निर्माण में कदम रखने को तैयार Page 3

शेयर बाजार की उड़ान,सेंसेक्स ने लगाई 800 अंकों से अधिक की छलांग Page 5

भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (CIIL) और Koo App ने मिलाया हाथ Page 7

editoria!

बहुभाषी इंटरनेट जरूरी

भारत सरकार द्वारा इंटरनेट को बहुभाषी बनाने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने की योजना स्वागतयोग्य है. इस पहल से उन 40 करोड़ लोगों को भी इंटरनेट से जोड़ा जा सकेगा, जो अभी तक इसका इस्तेमाल नहीं करते हैं. दुनिया में शायद ही कोई दूसरा देश है, जहां भारत से अधिक भाषाएं हों. यदि इंटरनेट की भाषा मुख्य रूप से अंग्रेजी बनी रहेगी, तो हम इसका पूरा फायदा नहीं उठा सकेंगे. भारत सरकार की इस पहल में इंटरनेट और डिजिटल तकनीक की बड़ी कंपनियां भी सहयोग करेंगी. वैश्विक स्तर पर बहुभाषी इंटरनेट के विस्तार की शुरुआती चर्चा 2003 में सूचना समाज पर हुए संयुक्त राष्ट्र के पहले सम्मेलन में हुई थी. उस समय से भारत में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सूचना तकनीक के क्षेत्र में बड़े क्रांतिकारी बदलाव हो चुके हैं और यह सिलसिला लगातार जारी है. आज इंटरनेट पर भारतीय भाषाओं में बहुत सामग्री है. लेकिन इसका दूसरा पहलू यह है कि यह विस्तार मुख्य रूप से मनोरंजन और सोशल मीडिया के स्तर पर हुआ है. विभिन्न भाषाओं में सूचनाओं और जानकारियों की बड़ी कमी है. कोविड महामारी के दौरान इंटरनेट पढ़ाई, कामकाज और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए बेहद उपयोगी साबित हुआ है. इन क्षेत्रों में कंप्यूटर, स्मार्टफोन और इंटरनेट के इस्तेमाल की संभावनाएं असीमित हैं.इन संभावनाओं को साकार करने के लिए भाषा से जुड़ी बाधाओं को दूर करना सबसे जरूरी है. नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति में तकनीक पर जोर देने के साथ स्थानीय भाषाओं को शिक्षा का माध्यम बनाने का प्रावधान भी है. बहुभाषी इंटरनेट न केवल इन प्रयासों का आधार बन सकता है, बल्कि भाषाओं के विकास के साथ इससे बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर भी पैदा किये जा सकते हैं. बीते कुछ सालों से चल रहे डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत देशभर में इंटरनेट से संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर का जाल बिछाया जा रहा है. बहुत जल्दी ही पूरे देश में तेज गति की इंटरनेट सेवा उपलब्ध हो जायेगी. कारोबार, भुगतान और कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए भी इंटरनेट जरूरी होता जा रहा है. सरकारी योजनाओं की जानकारी तथा आवश्यक सूचनाओं का पता लगाने के लिए भी इसका उपयोग बढ़ रहा है. इसकी व्यापकता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि आज 56 करोड़ से अधिक भारतीय इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं और आगामी दो वर्षों में इसमें लगभग 10 करोड़ की संख्या जुड़ जायेगी. भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑनलाइन बाजार बन चुका है. पर इसे अधिक गति से बढ़ाने की जरूरत है और इस दिशा में सबसे बड़ी बाधा विभिन्न भाषाओं में बहुत के कारोबार में बढ़त तथा इंटरनेट की गति तेज होने के साथ इसका महत्व भी बढ़ता जा रहा है. ऐसे में बड़ी कंपनियों के सहयोग से बहुभाषी इंटरनेट के विस्तार की सरकार की पहल देश के आर्थिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास में बड़ा योगदान कर सकती है.

नहीं रहे देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ बिपिन रावत

हेलिकॉप्टर क्रैश में पत्नी मधुलिका समेत 13 लोगों की मौत

चेन्नई/दिल्ली। एजेंसी

आखिरकार बुरी खबर आ ही गई है। जनरल बिपिन रावत नहीं रहे। वे देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, यानी CDS थे। तमिलनाडु के कुन्नूर में बुधवार दोपहर करीब 12 बजकर 20 मिनट पर उनका हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था। उसमें जनरल रावत की पत्नी मधुलिका रावत समेत सेना के 14 लोग सवार थे। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई है। एक के घायल होने की खबर है। हादसे के बाद सभी घायलों को गंभीर हालत में वेलिंगटन के मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया था। जहां से करीब साढ़े पांच घंटे तक खबर आती रही कि जनरल रावत और उनकी पत्नी समेत कई जवान बुरी तरह घायल हैं। लेकिन फिर बारी-बारी से मौत की खबर आने लगी। आखिर में शाम तक ये खबर आई कि जनरल रावत की पत्नी मधुलिका समेत 13 लोगों की मौत हो गई है। सिर्फ एक व्यक्ति जिंदा है, जो पुरुष है। इसके बाद कयास लगाए जाते रहे थे कि ये जनरल रावत ही हैं। लेकिन देर शाम सबसे बुरी खबर आई कि जनरल रावत नहीं रहे।

इण्डस्ट्रियल इंजीनियरिंग एक्सपो-2021:17 दिसंबर को शुभारंभ

इंजीनियरिंग, ऑटोमेशन, रोबोटिक मशीनरी का होगा प्रदर्शन

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एसोसिएशन ऑफ इण्डस्ट्रीज मध्य प्रदेश, फ्युचर कम्युनिकेशन व इंडियन प्लास्ट पैक फोरम के संयुक्त तत्वावधान में 17 से 20 दिसम्बर तक चार दिवसीय इण्डस्ट्रियल इंजीनियरिंग एक्सपो-2021 का आयोजन किया जा रहा है। शुभारंभ 17 दिसंबर 2021 को स्थानीय लाभगंगा एक्जीबिशन सेंटर में होगा। इसमें 200 स्टॉल होंगे जहां कई शीर्ष कंपनियां जैसे गोदरेज, बॉबकेट रिलायबल टेरेस्टियल्स, भव्या मशीन टूल्स आदि अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। AIMP के अध्यक्ष प्रमोद डफरिया, इंडियन प्लास्टपेक फोरम के अध्यक्ष सचिन बंसल व फ्युचर कम्युनिकेशन के लक्ष्मण दुबे ने बताया कि कोरोना काल के एक लंबे अंतराल के बाद उद्योगों को तकनीकी प्लेटफार्म प्रदान करने के उद्देश्य, प्रदेश के औद्योगिक विकास व यहां के उद्यमिता को नवाचार प्रदान करने के लिए एक्सपो आयोजन किया जा रहा है। इसमें लघु एवं मध्यम उद्योगों से जुडे मेन्युफुक्चरिंग इकाइयां,

सप्लायर्स, डिस्ट्रिब्युटर्स, ट्रेडर्स आदि के लिए लाभदायक होगा। इसमें शामिल होने वाले उद्योगपति और निर्माता उद्योग जगत की शीर्ष हस्तियों से आपसी संवाद कर सकेंगे। इस आयोजन में इंजीनियरिंग, मेन्युफेक्चरिंग, ऑटो कम्पोनेंट, ऑटोमेशन एण्ड रोबोटिक आदि उत्पादों एवं मशीनरी का प्रदर्शन किया जाएगा।

पूरे समय कोरोना प्रोटोकॉल का पालन, वैक्सीनेशन व्यवस्था भी

इस चार दिवसीय प्रदर्शनी में वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम, एक्सपोर्ट रेडिनेस आदि जैसे पहलुओं पर कार्यक्रम होंगे। प्रदर्शनी को विजिटर्स के लिए फ्री रखा गया है ताकि अधिक से अधिक उद्योगपति व इस क्षेत्र से जुडे व्यक्ति अवलोकन कर सके। इसके साथ ही नई तकनीकी की जानकारी लेकर अपने उद्योगों में अपना सके। एग्जीबिशन सेंटर पर कोविड प्रोटोकॉल एवं शासन की गाइड लाइन का पूरा ध्यान रखा जाएगा। एसोसिएशन व सीएचएल हॉस्पिटल के सौजन्य से एग्जिबिशन सेंटर पर एक एम्बुलेंस की व्यवस्था एवं वैक्सीनेशन काउंटर की व्यवस्था भी की गई है।

RBI ने दिए बड़े संकेत

डिजिटल ट्रांजैक्शन पर कम होगी बैंकों की वसूली

नई दिल्ली। एजेंसी

आने वाले दिनों में ग्राहकों को डिजिटल ट्रांजैक्शन पर लगने वाले चार्ज पर राहत मिल सकती है। ये संभव है कि डिजिटल पेमेंट पर बैंक की ओर से कम चार्जेज लगाए जाएं। इस पर रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की ओर से एक अहम बयान दिया गया है।

क्या कहा गवर्नर ने: रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि सभी हितधारकों के समन्वित प्रयासों से हाल के बरसों में डिजिटल पेमेंट में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, डिजिटल पेमेंट के लिए वसूला जाने वाला शुल्क उचित है या नहीं, इसको लेकर चिंता बनी हुई है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि ग्राहकों द्वारा इन शुल्कों का बोझ उठाने के फायदे-नुकसान दोनों हो सकते हैं, लेकिन ये शुल्क उचित होने चाहिए। शुल्क ऐसे नहीं होने चाहिए जो डिजिटल भुगतान को आगे बढ़ाने में बाधक हों। उन्होंने कहा कि हम इस मुद्दे पर जल्द परिचर्चा पत्र निकालेंगे। इसमें डिजिटल भुगतान के विभिन्न माध्यमों के सभी पहलुओं को शामिल किया जाएगा। आपको बता दें कि ग्राहकों को क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, प्रीपेड भुगतान माध्यम (कार्ड और वॉलेट आदि), यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये भुगतान पर शुल्क देना होता है।

सरकार ने एडीबी के साथ 2,074 करोड़ रुपये के दो ऋण करार किए

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार ने तमिलनाडु में एक किफायती आवास परियोजना और उत्तराखंड में जल स्वच्छता कार्यक्रम के लिए एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के साथ 2,074 करोड़ रुपये के दो ऋण करार किए हैं। तमिलनाडु में शहरी गरीबों की समावेशी और टिकाऊ आवासों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सरकार और एडीबी ने 15 करोड़ डॉलर (लगभग 1,132 करोड़ रुपये) के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एक बयान में कहा गया है कि इसके अलावा उत्तराखंड के देहरादून और नैनीताल शहरों में सुरक्षित और कम कीमत पर पेयजल आपूर्ति और शहर भर में स्वच्छता सेवाओं तक समावेशी पहुंच में सुधार को 12.5 करोड़ डॉलर (लगभग 942 करोड़ रुपये) के ऋण करार पर हस्ताक्षर किए गए हैं। बयान में कहा गया है कि सस्ते मकानों की परियोजना सरकार की विकास प्राथमिकताओं तथा शहरी क्षेत्र के विकास की नीतियों के अनुकूल है।

रेपो रेट में लगातार 9वीं बार बदलाव नहीं

लोन EMI पर राहत के लिए ग्राहकों को करना होगा इंतजार

RBI Monetary Policy

नई दिल्ली। एजेंसी

कोराना वायरस के नए स्वरूप 'ओमिक्रॉन' की भयावह रूप के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक समिति आज अपना फैसला सुना दिया है। आरबीआई बुधवार को लगातार नौवीं बार रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करने का ऐलान किया है। रेपो रेट 4 फीसदी पर स्थिर है। मॉनेटरी पॉलिसी कमिटी के 6 सदस्यों में से 5 से पॉलिसी रेट को मौजूदा लेवल पर बनाए रखने का समर्थन किया था। इसका मतलब ये हुआ कि आपकी बैंक की ईएमआई नहीं घटेगी। दरअसल, रेपो रेट में कटौती के बाद बैंकों पर ब्याज दर कम करने का दबाव होता है। बैंक ब्याज दर में कटौती करते हैं तो ईएमआई भी कम हो जाती है।

पेट्रोल-डीजल पर क्या कहा दास ने?

दास ने कहा कि रिजर्व बैंक वृद्धि दर को पटरी पर लाने और उसे सतत आधार पर बनाये रखने के लिए उदार रुख बरकरार रखेगा। आरबीआई बैंकों को विदेशी शाखाओं में पूंजी डालने की अनुमति देगा, उनकी पूर्व अनुमति के बिना लाभ प्रत्यावर्तित करेगा। कच्चे तेल की कीमत नवंबर में नरम हुई, इससे घरेलू बाजार में लागत के स्तर पर दबाव कम होगा। वहीं, उन्होंने उम्मीद जताई कि पेट्रोल, डीजल के मूल्यों पर टैक्स की दरें कम होने से खपत मांग को मदद मिलनी चाहिए।

भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी गिरावट से बाहर आई

भारतीय अर्थव्यवस्था को लेकर उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी गिरावट से बाहर आ गयी है, हम कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए बेहतर रूप से तैयार हैं। गवर्नर दास का कहना है कि वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाएं खुल रही हैं, गतिविधियों का स्तर महामारी पूर्व स्तर पर पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था दूसरे देशों की तुलना में सुधार के मार्ग पर तीव्रता से बढ़ रही है लेकिन वैश्विक स्तर पर होने वाले घटनाक्रमों से बच नहीं सकती है।

2021-22 में रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 9.5%

भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 2021-22 में रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 9.5% पर बनाए रखा गया है। RBI ने हालांकि फिस्कल ईयर 2022 की तीसरी तिमाही के लिए उअ्र ग्रोथ का अनुमान पहले के 6.8 फीसद से घटाकर 6.6 फीसद कर दिया है. इसके साथ ही फिस्कल ईयर 2022 की चौथी तिमाही के लिए उअ्र का अनुमान 6.1 फीसद से घटाकर 6 फीसद कर दिया है।

लगातार 9वीं बैठक में रेपो रेट को 4 फीसदी पर स्थिर रखने का फैसला

ऐसे में अब रिजर्व बैंक की ओर से रेपो रेट में बदलाव नहीं करने का सीधा मतलब ये हुआ कि बैंक लोन की ब्याज दर में कटौती नहीं करेंगे। आपको बता दें कि आरबीआई ने लगातार 9वीं बैठक में रेपो रेट को 4 फीसदी पर स्थिर रखने का फैसला लिया है। आरबीआई ने मांग बढ़ाने के इरादे से 22 मई, 2020 को नीतिगत दर में बदलाव किया था और इसे रिकार्ड न्यूनतम स्तर पर लाया था। वहीं, रिवर्स रेपो रेट 3.35 फीसदी पर है।

■महंगाई को लेकर दास ने कहा कि आरबीआई ने 2021-22 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई मुद्रास्फीति अनुमान 5.3% पर बरकरार रखा ■भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि 2021-22 में रियल जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 9.5% पर बनाए रखा गया है। ■आरबीआई गवर्नर दास का कहना है कि केंद्रीय बैंक वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए तरलता का प्रबंधन जारी रखेगा। ■भारतीय रिज़र्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि रेपो रेट बिना किसी बदलाव के साथ 4% रहेगा। ■रिवर्स रेपो रेट भी बिना किसी बदलाव के साथ 3.35% रहेगा। मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी (MSF) रेट और बैंक रेट बिना किसी बदलाव के साथ 4.25% रहेगा। ■रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि टिकाऊ आधार पर महंगाई दर में कमी लाने के लिए पेट्रोल, डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती का फैसला किया गया। ■गवर्नर दास ने मौद्रिक नीति की घोषणा करते हुए कहा कि प्राइस स्टेबिलिटी आरबीआई का प्रमुख सिद्धांत है क्योंकि यह विकास, स्थिरता को बढ़ावा देता है।

20 करोड़ का जुर्माना या डेढ़ साल की सजा!

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सख्त कानून ला सकती है सरकार

नई दिल्ली। एजेंसी

सरकार संसद में चल रहे शीतकालीन शत्र में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर सख्त कानून बना सकती है। इसके तहत क्रिप्टोकरेंसी में लेनदेन करने पर गैर जमानती धाराओं में बिना वारंट गिरफ्तारी कर जेल भेजा जा सकता है। इसके अलावा 20 करोड़ रुपए तक जुर्माने का भी प्रावधान होगा। मामले से जुड़े अधिकारी ने बताया कि संसद में पेश होने वाले बिल के अनुसार, क्रिप्टोकरेंसी की खरीद-बिक्री, जमा करने या होल्ड करने का काम सिर्फ एक्सचेंज के जरिए ही किया जाएगा। इसमें से किसी भी नियम का उल्लंघन करने पर बिना वारंट गिरफ्तार किया जा सकता है, जो गैर जमानती होगा।

सरकार 20 करोड़ रुपए तक जुर्माना और डेढ़ साल की सजा का नियम भी बना सकती है। इसके अलावा क्रिप्टोकरेंसी के अंधाधुंध विज्ञापनों पर भी रोक लगाने की तैयारी में है, क्योंकि इससे निवेशकों को गलत जानकारी देकर उकसाने की शिकायतें मिली हैं। बिल में क्रिप्टोकरेंसी को होल्ड करने वाले वॉलेट पर भी प्रतिबंध लगाया जा सकता है और यह काम सिर्फ एक्सचेंज के जरिए करने की छूट होगी। एक अनुमान के मुताबिक, करीब दो करोड़ भारतीयों ने क्रिप्टोकरेंसी में 45 हजार करोड़ रुपए का निवेश किया है।

निवेशकों को समय देगी सरकार

क्रिप्टोकरेंसी को लेकर बनने वाले कानून में सरकार निवेशकों को संपत्ति की घोषणा करने और नए नियमों का पालन करने के लिए पर्याप्त समय दे सकती है। इससे स्पष्ट है कि सरकार की मंशा इस पर पूर्ण प्रतिबंध के बजाए नियमन करने की है। बिल में क्रिप्टोकरेंसी के बजाए क्रिप्टोएसेट शब्द का इस्तेमाल किया जाएगा। साथ ही छोटे निवेशकों के हितों की सुरक्षा के लिए निवेश की न्यूनतम सीमा भी तय की जाएगी।

सेबी करेगा क्रिप्टो एक्सचेंज की निगरानी

सूत्रों का कहना है कि बाजार नियामक सेबी को क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज की निगरानी का जिम्मा सौंपा जाएगा। इसे संपत्ति के रूप में वर्गीकृत किए जाने के बाद सिर्फ निवेश की छूट रहेगी और सेबी पूंजी बाजार की तरह इसका नियमन भी करेगा। देश में क्रिप्टोकरेंसी का आधार लगातार बढ़ता जा रहा है और सरकार निवेशकों को इसके जोखिम से बचाने की तैयारी में है। चेनालिसिस की अक्तूबर में जारी रिपोर्ट के अनुसार, जून 2021 तक भारत में क्रिप्टो का बाजार 641 फीसदी बढ़ चुका है।

Fitch ने घटाया मौजूदा वित्त वर्ष के लिए GDP ग्रोथ अनुमान

कहा- रिकवरी की रफ्तार उम्मीदों से कम

नई दिल्ली। एजेंसी

फिच रेटिंग्स ने भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मौजूदा वित्त वर्ष के अपने ग्रोथ अनुमान को घटा दिया है। फिच के मुताबिक कोविड की दूसरी लहर के बाद रिकवरी की रफ्तार अनुमानों के मुकाबले सुस्त रही है। जिसकी वजह से ग्रोथ के अनुमानों को घटा दिया गया है। फिच ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए ग्रोथ का अनुमान घटा कर 8.4 प्रतिशत कर दिया है। पहले रेटिंग एजेंसी ने अनुमान दिया था कि वित्त वर्ष के दौरान अर्थव्यवस्था 8.7 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ेगी। हालांकि इसके साथ ही अगले वित्त वर्ष यानि 2022-23 के लिए फिच ने अपना ग्रोथ अनुमान 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 10.3 प्रतिशत कर दिया है। ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक में फिच ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने कोविड की वजह से आई गिरावट के बाद जुलाई सितंबर तिमाही के दौरान तेज रिकवरी दर्ज की है। हालांकि रिकवरी की रफ्तार हमारे अनुमानों से कम रही है। खास तौर पर सर्विस सेक्टर की गति अभी भी धीमी है।

अर्थव्यवस्था में अगले वित्त वर्ष में अनुमान से तेज रफ्तार संभव

फिच ने इसके साथ कहा कि प्रतिबंधों के कम होने के साथ सर्विस सेक्टर में रिकवरी देखने को मिलेगी। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में सप्लाई से जुड़ी चिंताओं की वजह से असर देखने को मिल रहा है। हालांकि आने वाले महीनों में सप्लाई के सामान्य होने के साथ ही मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर गति पकड़ लेगा। कार कंपनियां लगातार लंबित ऑर्डर को पूरा करने के लिए उत्पादन बढ़ा रही हैं। वहीं कोल सेक्टर भी किल्लत से निपटने के लिए लगातार उत्पादन बढ़ा रहा है। इन सभी संकेतों की वजह से आने वाले महीनों में अर्थव्यवस्था की रफ्तार और तेज हो सकती है और अगले वित्त वर्ष में ग्रोथ पिछले अनुमानों से बेहतर रह सकती है।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2021 में मुकेश अंबानी बोले

5जी को लागू करना भारत की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए

नई दिल्ली। एजेंसी

इस साल देश का सबसे बड़ा टेक्नोलॉजी इवेंट इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2021 आज यानि 8 दिसंबर से शुरू हो रहा है। 10 दिसंबर तक चलने वाले इस इवेंट को अभी रिलायंस इंडस्टीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 5जी को लागू करना भारत की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मोबाइल यूजर ग्रोथ के लिए अफोर्डेबिलिटी अहम। फाइबर कनेक्टिविटी को मिशन मोड पर बढ़ाना होगा। उन्होंने इकोनॉमी में तेज रिकवरी का भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि मोबाइल, डिजिटल क्षेत्र में बड़ा बदलाव होने वाला है। बता दें तीन दिनों तक चलने वाले इस इवेंट में टेक जगत से जुड़ी कई बड़ी घोषणाएं की जा सकती हैं। इस समय पूरे देश की निगाहें इस इवेंट पर टिकी हुई हैं, क्योंकि इवेंट 5G तकनीक से ओटीटी कंटेंट पर भी बात की जाएगी। IMC की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, इस इवेंट में स्पीकर के तौर पर कम्युनिकेशन मिनिस्टर अश्विनी वैष्णव, सुनील भारती मित्तल, मुकेश अंबानी और बिरला ग्रुप से मंगलम बिरला समेत कई अन्य दिग्गज शामिल होंगे। पहले दिन नोकिया अपने एक प्रोडक्ट से पर्दा उठाएगा और उसका डेमो दिखाएगा। अभी प्रोडक्ट के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। बार्सिलोना में आयोजित हो रहे मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस की तर्ज पर भारत में पिछले चार साल से इंडिया मोबाइल कांग्रेस (IMC) का आयोजन हो रहा है। भारत में घ्ष्ण का आयोजन हर साल दूरसंचार विभाग (DoT) और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (COAI) की ओर से किया जाता है। IMC की शुरुआत 2017 में हुई थी।

मोटर्स बनाने के 30 वर्षों के अनुभव का इस्तेमाल करते हुए

शक्ति पम्पस ईवी मोटर्स, चार्जर्स, कंट्रोलर्स और ड्राइव्स के निर्माण में कदम रखने को तैयार

कंपनी के बोर्ड ने इलेक्ट्रिक व्हीकल्स में लगने वाली मोटर्स, चार्जर्स, कंट्रोलर्स और ड्राइव्स निर्माण के लिए एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी को शामिल करने की मंजूरी दी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड ने अपने मोटर्स बनाने के 30 वर्षों के अनुभव का इस्तेमाल करते हुए इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मोटर्स, चार्जर्स, कंट्रोलर्स और मल्टी - एप्लिकेशन कंपोनेंट वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव्स (वीएफडी) के निर्माण के साथ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स क्षेत्र में कदम रखने की घोषणा की। इसके लिए हाल ही में हुई शक्ति पम्पस (इं) लिमिटेड की बोर्ड बैठक में एक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी को शामिल करने को मंजूरी दी है।

बोर्ड मीटिंग के उपरांत शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर दिनेश पाटीदार ने कहा - 'शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड के पास जहां इलेक्ट्रिक मोटर्स बनाने का 30 से अधिक वर्षों का अनुभव है वहीं पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स इक्विपमेंट बनाने का 5 वर्षों का अनुभव है। इसी अनुभव और विशेषज्ञता के विश्वास के साथ अब हम पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के माध्यम से इलेक्ट्रिक व्हीकल्स के बैटरी चार्जर, ईवी कंट्रोलर और ईवी मोटर्स का निर्माण और आपूर्ति करेंगे जिनकी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स बाज़ार को जरूरत है।

शक्ति पम्पस (इंडिया) लिमिटेड, भारत की सबसे बड़ी सबमर्सिबल सोलर पम्पस, मोटोराइज्ड पम्पस की निर्माता और आपूर्तिकर्ता कंपनी है। 1982 में एक छोटी सी शुरुआत के साथ, शक्ति पम्पस एनर्जी एफिशियेंट सबमर्सिबल पम्पस और मोटर्स के निर्माण में अग्रणी है। शक्ति पंप्स ने हाल ही में सिम्हा 2.0 यूनिवर्सल ड्राइव लॉन्च किया है, सिम्हा 2.0 एक अनूठा उत्पाद है जो सोलर पम्पस को पॉवर देता है. कंपनी ने मिजोरम में भारत का पहला उच्च एचपी सोलर पंपिंग स्टेशन भी स्थापित किया है और हाल ही में पूरे पंजाब में सोलर पम्पस की स्थापना को समय से पहले पूरा करने के लिए सम्मानित किया गया था। शक्ति पंप्स की मध्य प्रदेश के पीथमपुर में दो फैक्ट्रियां हैं. भारत में सोलर पम्पस बाजार में अग्रणी स्थिति के साथ, शक्ति वैश्विक स्तर पर 100 से अधिक देशों में पंपिंग उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला का निर्यात करती है। कंपनी बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध है।

दावत के उत्सव में कबाब और बिरयानी का जायका

इंदौर मैरियट होटल के दावत ए प्रांगण में शुरू हुआ 7 दिवसीय कबाब और बिरयानी फूड फेस्टिवल

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

स्वाद के दीवानों और दावतों के शौकिनों के लिए जायके का एक लजीज सफरनामा लिए 7 दिनी फूड फेस्टिवल 6 दिसंबर से शुरू हुआ। देश के विभिन्न प्रांतों के जायकों की दिलकश दुनिया अब इंदौर में सज रही है। चाहे बात दिल्ली के चांदनी चौक का तंदूरी स्वाद हो या लाहोर की लज्जत हो, बंगाल के मसालों की महक हो या पंजाब की मिट्टी की सौंधी महक के साथ वहां की चटपटी अमृतसरी मच्छी हो। देश के विभिन्न हिस्सों के पारंपरिक स्वाद और उसके साथ इनोवेशन का तड़का लिए इंदौर मैरियट होटल में फूड फेस्टिवल आरंभ हुआ। दावत ए प्रांगण में शुरू हुए इस फूड फेस्टिवल में कबाब और बिरयानी के मुरीदों को एक से बढ़कर एक कबाब व बिरायानी खाने को मिलेगी।

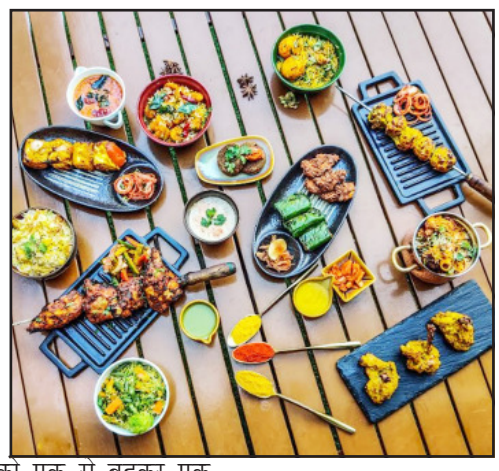

इंदौर मैरियट होटल के एग्जीक्यूटिव शेफ शिव परवेश ने कहा - इस फूड फेस्टिवल की खास बात यह है कि यहां शाकाहारियों और नॉनवेज दोनों के ही शौकिनों को उनकी पसंद के अनुरूप कबाब और बिरयानी खाने को मिलेगी। बात अगर कबाब की करें तो तंदूर का स्मोकी फ्लेवर लिए पनीर टिक्का मुल्तानी भी यहां है तो मशरूम से बना भरवां खुंब पेशावरी और लाहोरी गुलफिश भी है। जहांगीराबाद की राजसी रसोई से निकले कच्चे केले और गुलकुंद के कबाब भी यहां हैं तो दक्षिण तटीय क्षेत्र के मसालों की महक लिए पारंपरिक मीन पोल्लीचट्टू भी यहां परोसा जा रहा है।

जिन्हें बिरयानी का शौक है उनके लिए भी यहां कई तरह की शाकाहारी और मांसाहारी बिरयानी हैं। मौसमी सब्जीयों के जायके से तैयार दंपुख्त बिरयानी है तो कश्मीरी ब्राह्मणों द्वारा बनाई जाने वाली कश्मीरी नवरतन बिरयानी का लुत्फ भी लिया जा सकता है। गुजरात में बसे बोहरा समुदाय द्वारा जिस गुजराती बोहरी पनीर और अंजीर की बिरयानी सदियों पहले इजात की गई उसका असल स्वाद भी यहां चखने को मिल रहा है। राजस्थानी काबुली बिरयानी और रामपुरी छोले सोया बिरयानी शाकाहारी बिरयानी पसंद करने वालों के लिए बेहतर विकल्प है। नॉनवेज के शौकिनों को भी कई तरह की बिरयानी खाने का मौका यहां मिल रहा है। जिसमें मुर्ग अवधि बिरयानी सबसे पहले आती है तो हैदराबादी कच्चे गोश्त की बिरयानी भी अपना विशेष स्थान रखती है। मुंबई की बैदा बिरयानी भी यहां है तो पाकिस्तान की खायबेर पास गोश्त दब बिरयानी भी है। स्वाद के शौकिन इंदौर मैरियट होटल में जारी इस फूड फेस्टिवल का आनंद 12 दिसंबर तक हर शाम 7 बजे से रात 11.30 बजे तक ले सकेंगे।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच रुपया 75.44 प्रति डॉलर पर लगभग स्थिर

मुंबई। एजेंसी

कच्चे तेल कीमतों में तेजी तथा विदेशी पूंजी की सतत निकासी से निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित हुई तथा अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार को रुपये का आरंभिक लाभ लुप्त हो गया और अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले यह 75.44 प्रति डॉलर पर लगभग अपरिवर्तित बंद हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार में तेजी के बीच रुपये की गिरावट पर अंकुश लग गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 75.31 पर मजबूत खुलने के बाद ऊंचे में 74.26 और नीचे में 75.49 तक गया। अंत में रुपया महज एक पैसे की तेजी के साथ 75.44 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जतीन त्रिवेदी ने कहा, "रुपये ने 74.35-74.50 के दायरे में कारोबार किया, क्योंकि डॉलर इंडेक्स में एक सीमित दायरे में कारोबार हुआ। कोरोना के ओमीक्रॉन स्वरूप पर अनुकूल खबरों के बाद पूंजी बाजार में सकारात्मक रुख कायम हो गया जिससे रुपये की गिरावट थामने में मदद मिली। लेकिन कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें रुपये के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं। आगे चलकर रुपया 74.30-74.75 के दायरे में देखा जा सकता है।" इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 96.37 हो गया। वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड वायदा की कीमत दो प्रतिशत की तेजी के साथ 74.54 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गयी। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 886.51 अंक की तेजी के साथ 57,633.65 अंक पर बंद हुआ। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध बिकवाल रहे। उन्होंने सोमवार को 3,361.28 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

एक से ज्यादा बैंक में है अकाउंट तो हो जाएं सावधान!

पैसे कटने समेत होंगे ये बड़े नुकसान

नई दिल्ली। एजेंसी

अगर आपके भी एक से ज्यादा बैंक अकाउंट हैं तो ये खबर जरूर पढ़ लें. मल्टीपल बैंक अकाउंट से आपको आर्थिक नुकसान के साथ कई अन्य नुकसान भी हो सकते हैं. टैक्स और इन्वेस्टमेंट एक्सपर्ट्स भी सिंगल एकाउंट रखने की सलाह देते हैं उनका कहना है कि सिंगल बैंक अकाउंट रहने पर रिटर्न फाइल करना आसान होता है. आइए जानते हैं एक से ज्यादा अकाउंट रखने की खामियों को.

क्या-क्या हैं नुकसान?

अगर आप कई बैंकों में अकाउंट रखते है तो सबसे पहला नुकसान मेंटेनेंस को लेकर है. दरअसल हर बैंक का अपना अलग-अलग मेंटिनेंस चार्ज, डेबिट कार्ड चार्ज, एश्ए चार्ज, सर्विस चार्ज, मिनिमम बैलेंस चार्ज होता है. यानी जितने बैंकों में अकाउंट होंगे, आपको उसके अलग-अलग चार्जेज देने होंगे. साथ ही अगर मिनिमम बैलेंस मेंटेन नहीं करते हैं तो इसके बदले बैंक तगड़ा चार्ज वसूलते हैं.

सिंगल बैंक अकाउंट में रिटर्न फाइल करना आसान

टैक्स एक्सपर्ट्स जे अनुसार, अगर सिंगल बैंक अकाउंट है तो रिटर्न फाइल करना आसान होता है. क्योंकि आपकी कमाई की पूरी जानकारी सिंगल अकाउंट में राहती है. अलग-अलग बैंक अकाउंट रहने से यह कैलकुलेशन मुश्किल और बड़ा हो जाता है. ऐसे में टैक्स विभाग आपको नोटिस जारी सकता है. ऐसी ही समस्याओं को सुलझाने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारण ने इस बजट में नए सिस्टम की घोषणा की थी.

टैक्सपेयर्स को देना होगा कैलकुलेशन

इस नए नियम के तहत अब सैलरी इनकम के अलावा दूसरे सोर्स से होने वाली इनकम, जैसे डिविडेंड इनकम, कैपिटल गेन इनकम, बैंक डिपॉजिट इंट्रेस्ट इनकम , पोस्ट ऑफिस इंट्रेस्ट इनकम की जानकारी पहले से भरी होगी. अभी तक टैक्सपेयर्स को इसका अलग से कैलकुलेशन करना होता था. इससे कई बार भूल जाने के कारण उसे परेशानी होती थी. अब ये तमाम जानकारी पहले से भरी हुई आएगी. यह जानकारी PAN कार्ड की मदद से हासिल की जाएगी.

खाता हो जाएगा इनएक्टिव

अगर किसी सेविंग अकाउंट या करंट अकाउंट में एक साल तक किसी तरह का ट्रांजैक्शन नहीं किया जाता है तो वह Inactive Bank Account में बदल जाता है. दो सालों तक ट्रांजैक्शन नहीं होने पर वह Dormant Account या Inoperative में बदल जाता है. ऐसे बैंक अकाउंट के साथ फ्रॉड की संभावना बढ़ जाती है. बैंकर्स का कहना है कि इन एक्टिव अकाउंट के साथ इंटर्नल और एक्सटर्नल फ्रॉड के चांसेज सबसे ज्यादा होते हैं. ऐसे में इसका डिटेल सेपरेट लेजर में रखा जाता है.

प्राइवेट बैंक वसूलती है एक्स्ट्रा चार्ज

प्राइवेट बैंकों का मिनिमम बैलेंस चार्ज बहुत ज्यादा होता है. जैसे HDFC Bank का मिनिमम बैलेंस 10 हजार रुपये है. ग्रामीण इलाकों के लिए यह 5000 रुपए है. यह बैलेंस मेंटेन नहीं करने पर एक तिमाही की पेनाल्टी 750 रुपये है. इसी तरह का चार्ज अन्य प्राइवेट बैंकों का भी है. गलती से मिनिमम बैलेंस मेंटेन नहीं किया तो आपको हर महीने सैकड़ों रुपये बेवजह चुकाने पड़ सकते हैं. इससे आपके सिबिल स्कोर पर भी असर होता है.

हजारों का होगा नुकसान

अगर आपका मल्टीपल बैंक अकाउंट है तो हर महीने हजारों रुपये केवल मिनिमम बैलेंस मेंटेन करने में लग जाएंगे. इससे आपके इन्वेस्टमेंट पर असर होता है. जिस पैसे पर आपको कम से कम 7-8 फीसदी का रिटर्न मिलना चाहिए, वह पैसा आपका मिनिमम बैलेंस के रूप में रखा रहेगा. इसी पैसे को सही जगह निवेश करने पर 7-8 फीसदी तक का रिटर्न आसानी से पाया जा सकता है.

News यू केन USE

कुमार मंगलम बिड़ला को उम्मीद, 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में ये सेक्टर अहम भूमिका निभाएगा

नई दिल्ली। एजेंसी

आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि मोबाइल उद्योग, 2025 तक भारत के 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के सपने को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगा। इसमें से 1,000 अरब डॉलर का योगदान डिजिटल अर्थव्यवस्था से होगा। उन्होंने बुधवार को इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल इंडिया के सपने को पूरा करने की गति तेज करने और निवेश के लिए एक मजबूत उद्योग जरूरी है। बिड़ला ने केहा कि सरकार ने पिछले कुछ महीनों में महत्वपूर्ण नीतिगत हस्तक्षेप किए हैं और व्यापार में सुगमता तथा बैंकिंग क्षेत्र से समर्थन संबंधी आगे के कदम इस क्षेत्र की ताकत को काफी बढ़ाएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी रुझान का नेतृत्व करता रहे। बिड़ला ने कहा, मेरा मानना है कि मोबाइल उद्योग, 2025 तक भारत के 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के सपने को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगा, जिसमें से 1,000 अरब डॉलर का योगदान डिजिटल अर्थव्यवस्था से होगा।

नवंबर में कोयला उत्पादन 10.35 प्रतिशत बढ़कर 6.78 करोड़ टन पर

नई दिल्ली। एजेंसी

देश का कोयला उत्पादन नवंबर में 10.35 प्रतिशत बढ़कर 6.78 करोड़ टन पर पहुंच गया। नवंबर, 2019 में कोयला उत्पादन 6.14 करोड़ टन रहा था। कोयला मंत्रालय ने मंगलवार को बयान में कहा कि नवंबर में कुल कोयला उत्पादन में कोल इंडिया का हिस्सा 5.38 करोड़ टन रहा। कोल इंडिया ने इस दौरान उत्पादन में 7.60 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। माह के दौरान सिंगरेनी कोलियरीज लि. (एससीसीएल) का कोयला उत्पादन 3.09 प्रतिशत बढ़कर 56.1 लाख टन पर पहुंच गया। खुद के इस्तेमाल वाले यानी कैप्टिव ब्लॉकों से कोयला उत्पादन 39.68 प्रतिशत बढ़कर 84.3 लाख टन रहा।

रियल्टी कंपनियों ने कहा, रेपो दर को यथावत रखने के फैसले से होम लोन पर सस्ता कर्ज मिलना जारी रहेगा

नई दिल्ली। एजेंसी

रियल एस्टेट कंपनियों का मानना है कि रिजर्व बैंक द्वारा नीतिगत दरों को यथावत रखने के फैसले से आवास ऋण पर निम्न ब्याज दरें जारी रहेंगी और घरों की मांग में सुधार होगा। रिजर्व बैंक के नीतिगत फैसले का स्वागत करते हुए क्रेडाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन पटोदिया ने कहा, ''रेपो और रिवर्स रेपो दर को अपरिवर्तित रखने का रिजर्व बैंक का उदार रुख निश्चित रूप से एक प्रगतिशील और सतर्क कदम है, खासकर ऐसे समय में जब पूरा उद्योग नई ओमीक्रोन लहर के संभावित प्रभाव का आकलन कर रहा है।'' उन्होंने कहा कि आवास ऋण पर निचली ब्याज दर व्यवस्था जारी रहने से घर खरीदारों में भरोसा पैदा होगा और इससे मौजूदा आर्थिक पुनरुद्धार में भी मदद मिलेगी। नारेडको के वाइस चेयरमैन और हीरानंदानी ग्रुप के प्रबंध निदेशक निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र को निचली ब्याज

दरों से लाभ होगा। उन्होंने कहा, ''घर खरीदार इस ऐतिहासिक निचली ब्याज दरों का सबसे अधिक लाभ उठाना चाहेंगे।'' इंडिया सूथबी इंटरनेशनल रियल्टी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित गोयल ने कहा कि आवास ऋण पर ब्याज दर सात प्रतिशत सालाना पर बनी रहेगी। गोयल ने कहा, ''हम उम्मीद करते हैं कि आवास बाजार में मांग में और सुधार होगा। सभी की निगाहें अब आगामी बजट पर है। यदि सरकार बजट में आवास ऋण पर 'कटौती' को बढ़ाती है, तो यह रियल एस्टेट क्षेत्र को बढ़ावा देने वाला कदम होगा।'' नारेडको-महाराष्ट्र के अध्यक्ष संदीप रनवाल ने कहा कि आवास ऋण पर निचली ब्याज दरें कम से कम इस साल के अंत तक जारी रहेंगी। इससे रियल एस्टेट उद्योग के साथ-साथ अर्थव्यवस्था की वृद्धि को प्रोत्साहन मिलेगा।'' हाउसिंग.कॉम, मकान.कॉम और प्रॉपटाइगर.कॉम के समूह सीईओ ध्रुव अग्रवाल ने कहा कि प्रमुख नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखने का आरबीआई का निर्णय उम्मीदों के अनुरूप है। उन्होंने कहा, ''अगर पिछली कुछ तिमाहियों में घरों की बिक्री में लगातार सुधार हुआ है, तो इसकी मुख्य वजह कम ब्याज दर है। भारतीय अर्बन के सीईओ (आवासीय) अशविंदर आर सिंह ने कहा कि रिजर्व बैंक के इस कदम से निकट भविष्य में कम ब्याज दरों का दौर जारी रहेगा और इससे घरों की बिक्री को प्रोत्साहन मिलेगा।

एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने के केंद्रीय बैंक के फैसले से कुछ समय तक निचली ब्याज दरों के मामले में यथास्थिति कायम रखने में मदद मिलेगी। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि कम ब्याज दर व्यवस्था ने पिछली छह तिमाहियों में रियल एस्टेट क्षेत्र को खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कोलियर्स इंडिया के सीईओ रमेश नायर ने कहा कि रेपो दर में बदलाव नहीं होने से रियल एस्टेट क्षेत्र की धारणा में और सुधार होगा।

10 दिसंबर को मानव अधिकार दिवस मनाएंगे

मानव अधिकारों की रक्षा की शपथ लेंगे सभी पदाधिकारी

इंदौर। मानव अधिकार सुरक्षा संगठन नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजकरण चौहान और इंदौर संभाग अध्यक्ष संतोष वाधवानी ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 10 दिसंबर को मानव अधिकार दिवस मनाया जाएगा। इस दिन संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण मानव अधिकार की रक्षा की शपथ लेंगे।मानवाधिकार मनुष्य के वे मूलभूत सार्वभौमिक अधिकार हैं जिनसे मनुष्य को नस्ल, जाति, राष्ट्रीयता, धर्म, लिंग आदि किसी भी दूसरे कारक के आधार पर वंचित नहीं किया जा सकता। सभी व्यक्तियों को गरिमा और अधिकारों के मामले में जन्मजात स्वतंत्रता और समानता प्राप्त है। प्रदेश अध्यक्ष मोनू जायसवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि वास्तव में प्रत्येक व्यक्ति को ऐसे जीवनस्तर को प्राप्त करने का अधिकार है, जो उसे और उसके परिवार के स्वास्थ्य, कल्याण और विकास के लिए आवश्यक है। मानव अधिकारों में आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों के समक्ष समानता का अधिकार एवं शिक्षा का अधिकार आदि नागरिक और राजनीतिक अधिकार भी सम्मिलित हैं। मानव अधिकार मानव के विशेष अस्तित्व के कारण उनसे संबंधित है इसलिए ये जन्म से ही प्राप्त हैं और इसकी प्राप्ति में जाति, लिंग, धर्म, भाषा, रंग तथा राष?ट्रीयता बाधक नहीं होती। मानव अधिकार को मूलाधिकार आधारभूत अधिकार अंतरनिहित अधिकार तथा नैसर्गिक अधिकार भी कहा जाता है।

IPO में पैसा लगाने वाले निवेशकों के लिए बड़ी खबर, RBI लेकर आया ये नियम

नई दिल्ली। एजेंसी

इनीशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ में निवेश करते हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बुधवार को आईपीओ में निवेश के लिए यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन की सीमा को बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दिया है। वर्तमान में ये लिमिट 2 लाख रुपये की है। मतलब ये कि अभी आप अधिकतम 2 लाख रुपए तक ही यूपीआई के जरिए आईपीओ में दांव लगा सकते हैं। इसके अलावा आरबीआई रिटेल डायरेक्ट स्कीम के जरिए सरकारी बॉन्ड्स को खरीदने की यूपीआई लिमिट भी बढ़ा दी गई है। आईपीओ में ळझ्ध की भूमिकाः आपको बता दें कि किसी भी आईपीओ में एक लॉट की कीमत 15 हजार रुपए के आसपास रहती है। कोई भी रिटेल निवेशक एक लॉट से ज्यादा आईपीओ पर दांव लगा सकता है। हर कंपनियां रिटेल निवेशकों के लिए अपने आईपीओ का लॉट निर्धारित करती हैं। आईपीओ को बुक करने के बाद यूपीआई के जरिए भी होल्ड होते हैं। आने वाले हैं कई आईपीओः आरबीआई का ये फैसला इसलिए भी अहम है क्योंकि आने वाले दिनों में एक के बाद एक कई आईपीओ आने वाले हैं। इनमें देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी का आईपीओ भी शामिल है। केंद्र सरकार एलआईसी में अपनी हिस्सेदारी बेचकर 1 लाख करोड़ रुपए तक जुटा सकती है। एलआईसी के अलावा ओला, स्नैपडील, अडानी विल्मर समेत अन्य कंपनी भी आईपीओ लॉन्च करने वाली हैं।

शेयर बाजार की उड़ान

सेंसेक्स ने लगाई 800 अंकों से अधिक की छलांग

नई दिल्ली। एजेंसी

शेयर बाजार की उड़ान जारी है। बुधवार को बाजार मजबूती के साथ खुला। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 524.91 अंकों की उछाल के साथ 58,158.56 के स्तर पर खुला तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी ने आज के दिन के कारोबार की शुरुआत 17315 के स्तर से हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स के सभी स्टॉक्स हरे निशान पर थे। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 2 फीसद से अधिक की तेजी देखी जा रही है। अब सेंसेक्स 815.63 अंक उछल कर 58,449.28 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 236.15 (1.37ङ्) अंकों की उछाल के साथ 17,412.85 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स में एनटीपीसी को छोड़ सभी स्टॉक्स हरे निशान पर हैं। बाजार खुलने के चंद मिनटों में ही आईटी शेयरों के दम पर सेंसेक्स 701 अंक उछल कर 58335 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 207 अंकों की उछाल के साथ 17383 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी टॉप गेनर में अभी विप्रो, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, टेक महिंद्र और ओएनजीसी जैसे स्टॉक्स हैं तो लूजर में हिन्डाल्को दिख रहा है।

शेयर बाजार में 'मंगल', सेंसेक्स 887 अंक उछला

शेयर बाजारों में पिछले दो कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर मंगलवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में 887 अंक का उछाल आया। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन को लेकर चिंता कम होने के बीच वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख के साथ घरेलू बाजार में तेजी लौटी। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 886.51 अंक की बढ़त के साथ 57,633.65 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 264.45 अंक उछलकर 17,176.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 3.63 प्रतिशत की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में टाटा स्टील रही। इसके अलावा एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन और बजाज फाइनेंस में प्रमुख रूप से तेजी रही।

निवेशकों की संपत्ति 3.45 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

शेयर बाजार में मंगलवार को आयी तेजी के साथ निवेशकों की संपत्ति 3,45,719.55 करोड़ रुपये बढ़ी। इससे पहले, दो कारोबारी सत्रों में बाजार में गिरावट रही थी। सोमवार को सेंसेक्स कोरोना वायरस के नये स्वरूप ओमीक्रोन की चिंता में 949.32 अंक यानी 1.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 56,747.14 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में मंगलवार को आयी तेजी के साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 3,45,719.55 करोड़ रुपये उछलकर 2,60,18,494.21 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

एग्रोस्टार ने निवेशकों से सात करोड़ डॉलर जुटाए

कृषि क्षेत्र के स्टार्टअप एग्रोस्टार ने इवॉल्वेंस, श्रोडर्स कैपिटल, हीरो एंटरप्राइज और ब्रिटेन की विकास वित्त संस्था सीडीसी सहित निवेशकों से अपने कारोबार के विस्तार और विकास के लिए सात करोड़ डॉलर (527 करोड़ रुपये) जुटाए है। कंपनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शार्दुल सेठ ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि वित्त पोषण दौर में मौजूदा निवेशक आविष्कार कैपिटल, एक्सेल, बर्टेल्समैन, चेराती वेंचर्स और राबो फ्रंटियर वेंचर्स भी शामिल रहे।

मेट्रो ब्रांड्स ने आईपीओ का मूल्य 485-500 रुपये प्रति शेयर तय किया

राकेश झुनझुनवाला के समर्थन वाली मेट्रो ब्रांड्स लिमिटेड ने दस दिसंबर को खुलने वाले अपने 1,368 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए मूल्य दायरा 485 से 500 रुपये प्रति शेयर रखा है। फुटवेयर खुदरा विक्रेता कंपनी ने मंगलवार को बताया कि उसका आईपीओ दस दिसंबर से शुरू होकर 14 दिसंबर तक खुला रहेगा। हालांकि, एंकर निवेशकों के लिए बोली नौ दिसंबर को खुल जाएगी।

मेडप्लस हेल्थ का आईपीओ 13 दिसंबर को खुलेगा

दवा खुदरा श्रृंखला मेडप्लस हेल्थ सर्विसेज का 1,398 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 13 दिसंबर को खुलेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 780 से 796 रुपये प्रति शेयर रखा है। कंपनी ने मंगलवार को बताया कि तीन दिन तक चलने वाला आईपीओ 15 दिसंबर को बंद होगा तथा एंकर निवेशकों के लिए बोली दस नवंबर को खुलेगी। आईपीओ के तहत 600 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा प्रवर्तक तथा मौजूदा शेयरधारक 798.30 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) करेंगे।

आईओसी ने तेल खरीद सौदे को नवीनीकृत किया

देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने रूस की पेट्रोलियम रिफाइनरी कंपनी रोसनेफ्ट से 20 लाख टन कच्चा तेल खरीदने के सौदे का नवीनीकरण किया है। आईओसी ने फरवरी 2020 में रोसनेफ्ट तेल कंपनी के साथ नोवोरोस्सिएस्क बंदरगाह के जरिये बीस लाख टन तेल आयात करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते के तहत आईओसी ने हालांकि केवल 17 लाख टन कच्चे तेल की खरीद की, क्योंकि पार्सल या जहाज के जरिये लदान से तेल के परिवहन की लागत ने इसे अलाभकारी बना दिया था।

नवंबर में यात्री वाहनों की सेल्स 19% लुढ़की, जानें क्या है कारण

मुंबई। एजेंसी

ऑटोमोबाइल की रिटेल सेल्स नवंबर में 3 फीसदी की कमी आई। ऑटोमोबाइल डीलरों की निकाय फाडा ने बुधवार को बताया कि चिप की कमी और दक्षिण भारत में भारी बारिश ने पैसेंजर व्हीकल और टू-व्हीलर समेत विभिन्न क्षेत्रों में वाहनों की बिक्री को प्रभावित किया। ईंऊं की रिपोर्ट के मुताबिक नवंबर में कुल ऑटो सेल्स का रजिस्ट्रेशन 18,17,600 यूनिट रहा, जो कि पिछले साल की समान अवधि से 2.7 फीसदी कम है। नवंबर 2020 में यह आंकड़ा 18,68,068 यूनिट था। नवंबर 2021 में पैसेंजर व्हीकल्स के 2,40,234 यूनिट सेल्स हुए, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 2,98,213 यूनिट से 19.44 फीसदी कम है। इसी तरह पिछले महीने दोपहिया वाहनों की सेल्स भी गिरकर 12,33,855 यूनिट हो गई। नवंबर, 2020 में यह 14,44,762 यूनिट थी।

कॉमर्शियल व्हीकल की सेल्स में आई तेजी

नवंबर 2020 में बिके 50,180 यूनिट ट्रैक्टर के मुकाबले इस साल केवल 45,629 यूनिट ट्रैक्टर ही बिके। हालांकि कॉमर्शियल व्हीकल और तिपहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन पिछले साल के मुकाबले थोड़ा बढ़ा है।

चिप की कमी रही बड़ी वजह

FADA प्रेसीडेंट विंकेश गुलाटी ने कहा कि शादियों और त्योहारों का सीजन होने के बावजूद नवंबर महीने में वाहनों की बिक्री के लिए अच्छा नहीं रहा है। साउथ इंडिया में हो रही बारिश ने भी माहौल खराब किया। उन्होंने कि जब तक ग्रामीण भारत सुधार के संकेत नहीं दिखाता, ओवरऑल रिटेल बिजनेस कमजोर बना रहेगा। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट को अभी भी सेमीकंडक्टर की कमी का सामान करना पड़ रहा है। गुलाटी ने कहा कि नए प्रोडक्ट्स के लॉन्च होने से ग्राहकों का इंटरेस्ट तो बना हुआ है लेकिन सप्लाई की कमी के कारण सेल्स नहीं हो पा रही है। वाहनों के लिए वेटिंग पीरियड बढ़ने से ग्राहकों को इसे खरीदने की इच्छा में कमी देखी जा रही है। वहीं टू-व्हीलर सेगमेंट में खरीदारी की कमी देखी जा रही। शादियों के सीजन ने भी इसमें कोई मदद मदद नहीं की।

Omicron वेरिएंट को लेकर सतर्क इंडस्ट्री

FADA ने कहा कि आने वाले समय में चिप की कमी के हालात सुधरेंगे, इससे वाहनों की वेटिंग पीरियड में कमी आएगी और रिटेल सेल्स में इजाफा होगा। टू-व्हीलर सेगमेंट में वृद्धि को प्रोत्साहन देने के लिए हम एक बार फिर सभी ध्ईं से आकर्षक ऑफर्स की उम्मीद कर सकते हैं। इसके साथ ऑटो उद्योग कोरोना के नए वेरिएंट Omicron को लेकर बेहद सतर्क नजर आ रहा है और उम्मीद जताई है कि भारत में कोरोना की तीसरी लहर न आए। FADA ने केंद्र सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों से भी वैक्सीनेशन प्रोग्राम में तेजी लाने का आग्रह किया है और सभी कोविड प्रोटोकॉल्स का पालन कराने को कहा है, ताकि एक बार फिर से देश को कोरोना महामारी के लहर का सामना न करना पड़े।

यू.एस.पोलो एसोशिएशन, भारत ने अभिनेता अर्जुन रामपाल को अपना नया ब्रांड एम्बैसडर बनाया

'प्ले टुगेदर' अभियान की शुरुआत की

मुम्बई। एजेंसी

यूनाइटेड स्टेट्स पोलो एसोसिएशन (यूएसपीए) के आधिकारिक ब्रांड यू. एस. पोलो एसोसिएशन ने आज स्टाइल आइकन अर्जुन रामपाल को अपने नए 'प्ले टुगेदर' अभियान के लिए भारत का ब्रांड एम्बैसडर घोषित किया। भारत में यूनाइटेड स्टेट्स पोलो एसोसिएशन का रिटेल बिजनेस अरविंद फैशन लिमिटेड द्वारा किया जाता है। यूएसपीए के इतिहास में, पहली बार ब्रांड का कोई भारतीय एम्बैसडर होगा। ब्रांड अपने सभी आगामी स्टोर्स के लिए एक नए स्टोर की पहचान बना रहा है, जिसके पहले ही ब्रांड की विस्तार योजनाओं के एक हिस्से के रूप यह घोषणा की गई है। यू. एस. पोलो एसोसिएशन के ब्रांड एम्बैसडर, अर्जुन रामपाल ने कहा कि 'यूएसपीए जैसे प्रतिष्ठित ब्रांड से जुड़ना एक शानदार एहसास है और इसका पहला भारतीय ब्रांड एम्बैसडर बनना वास्तव में एक सम्मान है। यू.एस. पोलो एसोसिएशन अपनी खेलकूद से प्रेरित, क्लासिक अमेरिकी स्टाइल के लिए जाना जाता है और प्रत्येक सीज़न में ब्रांड इस स्टाइल को एक पायदान ऊपर ले जाता है। नया अभियान ट्विनिंग यानी जोड़ने पर केंद्रित है जो एक मजेदार और फैशन-फ़ॉरवर्ड कॉन्सेप्ट है जो एक पिता द्वारा अपने बच्चों के साथ साझा किए गए असली भावनात्मक रिश्ते पर आधारित है। एक पिता के रूप में यही बात मुझे इस ब्रांड की ओर आकर्षित करती है।' विस्तार योजना के हिस्से के रूप में, ब्रांड अर्जुन रामपाल के साथ नया 'प्ले टुगेदर' अभियान जारी करेगा और भारत के अपने 392 स्टोर्स को नया ब्रांड लुक भी देगा। नए स्टोर में यू. एस. पोलो एसोसिएशन के ब्रांड कलर्स के साथ 'ऑल-व्हाइट' इंटीरियर होगा। सिग्नेचर

रेड, ब्लू और व्हाइट स्ट्राइप्स प्रवेश द्वार पर ग्राहकों का स्वागत करेंगी। वुड, मेटल और कंक्रीट की मौजूदगी ओवरऑल लुक को बेहतर बनाएगी। जैसे ही आप स्टोर में कदम रखेंगे, खेल भावना का प्रतीक 'पोलो वॉल' आपका सारा ध्यान आकर्षित करेगी।

चंपा षष्ठी 9 दिसंबर को

इस व्रत में चंपा के फूलों से करते हैं भगवान कार्तिकेय की पूजा और शिवजी को लगाते हैं बैंगन-बाजरे

कर्नाटक और महाराष्ट्र के खास त्योहारों में शामिल है चंपा षष्ठी, स्कंद पुराण के अनुसार इस दिन भगवान कार्तिकेय की पूजा का विधान है। मार्गशीर्ष महीने में शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को चंपा षष्ठी का व्रत किया जाता है। इस बार ये व्रत 9 दिसंबर, गुरुवार को किया जाएगा। ये व्रत कर्नाटक और महाराष्ट्र जैसे राज्यों का प्रमुख पर्व है। यहां पर भगवान शिव के अवतार खंडोबा को किसानों के देवता के रूप में पूजा जाता है। ये दिन भगवान शिव को समर्पित है। इस दिन भगवान शिव के मार्कंडेय स्वरूप की पूजा की जाती है। स्कंदपुराण के अनुसार यह पर्व भगवान कार्तिकेय को समर्पित है। इसलिए इस पर्व को स्कंद षष्ठी भी कहा जाता है। इस दिन कई जगहों पर भगवान कार्तिकेय की पूजा और व्रत किया जाता है।

शिव जी को बैंगन बाजरे का भोग

चंपा षष्ठी को छठ पर्व भी कहा जाता है क्योंकि इस दिन शिवलिंग को बैंगन और बाजरा का भोग लगाया जाता है। खासतौर से ये पर्व महाराष्ट्र में मनाया जाता है। ये दिन भगवान शिव के मार्कंडेय स्वरूप को समर्पित है। इस दिन सूर्योदय से पहले उठकर नहाने के बाद शिवजी का ध्यान किया जाता है। मंदिर जाकर शिवलिंग की पूजा की जाती है। शिवलिंग पर दूध और गंगाजल चढ़ाया जाता है। इसके बाद फूल, अबीर, बेल पत्र चढ़ाते हैं और देसी खांड का भोग लगाकर बांटा जाता है।

चंपा के फूलों से भगवान कार्तिकेय की पूजा

स्कंद षष्ठी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करके व्रत और पूजा का संकल्प लिया जाता है। फिर दक्षिण दिशा की तरफ मुख कर भगवान कार्तिकेय की पूजा की जाती है। घी, दही और जल से अर्घ्य दिया जाता है। इसके बाद भगवान कार्तिकेय को और पुष्प चढ़ाए जाते हैं। खासतौर से इस दिन भगवान कार्तिकेय को चंपा के फूल चढ़ाए जाते हैं। फिर रात्रि में भूमि पर शयन करना चाहिए। इस दिन तेल का सेवन नहीं किया जाता है और अगले दिन तक ब्रह्मचर्य का पालन किया जाता है।

इस दिन व्रत और पूजा करने का महत्व

इस दिन भगवान शिव की पूजा और व्रत करने से पाप खत्म होते हैं। परेशानियां दूर होती हैं। सुख-शांति भी मिलती है और मोक्ष प्राप्ति होती है। माना जाता है कि चंपा षष्ठी व्रत से प्रसन्नता बनी रहती है। ऐसी मान्यता है कि यह व्रत करने से पिछले जन्म के सारे पाप धुल जाते हैं और जीवन सुखमय हो जाता है। भगवान कार्तिकेय मंगल ग्रह के स्वामी हैं। मंगल को मजबूत करने के लिए इस दिन भगवान कार्तिकेय का व्रत करना चाहिए।

साल का आखिरी शुभ लग्न 13 को: शादी के लिए सिर्फ 4 मुहूर्त

16 से खरमास, फिर 15 जनवरी से शुरू होंगे विवाह

इस सीजन के अब सिर्फ 4 शुभ लग्न बचे हैं। इनमें 13 दिसंबर को इस साल का आखिरी विवाह मुहूर्त रहेगा। इसके बाद 16 दिसंबर से खरमास लग जाएगा। जिससे शादियों के लिए मुहूर्त नहीं रहेंगे। ज्योतिषियों के मुताबिक खरमास में विवाह और अन्य कोई भी शुभ मांगलिक काम नहीं किया जाता है। खरमास 15 जनवरी 2022 को खत्म होगा। इसलिए इसी दिन से फिर शादियां शुरू हो जाएंगी।

खर, मीन और चातुर्मास में नहीं होती शादियां

डॉ. मिश्र का कहना है कि ज्योतिष में किसी भी मांगलिक कार्य यानी खासतौर पर विवाह के लिए शुभ मुहूर्त को बहुत खास माना जाता है। ज्योतिष में शुभ मुहूर्त निकालने के लिए ग्रह नक्षत्रों की गणना की जाती है। इसी गणना के आधार पर कुछ समय ऐसा भी होता है, जिसे विवाह आदि के लिए शुभ नहीं माना जाता है। इसमें जुलाई से नवंबर तक होने वाले चातुर्मास के साथ ही खर और मीन मास को भी विशेष ध्यान में रखा गया है। इसलिए इन दिनों में शुभ मुहूर्त नहीं होने से विवाह और अन्य मांगलिक कामों पर रोक लग जाती है।

मान्यता: सूर्य के रथ की गति हो जाती है धीमी

लोक कथा के मुताबिक भगवान सूर्यदेव सात घोड़ों के रथ पर सवार होकर लगातार ब्रह्मांड की परिक्रमा करते हैं। सूर्यदेव को कहीं भी रुकने की इजाजत नहीं है, लेकिन रथ में जुड़े घोड़े लगातार चलने से थक जाते हैं। घोड़ों की ये हालत देखकर सूर्यदेव का मन द्रवित हो गया और वे घोड़ों को तालाब के किनारे ले गए, लेकिन तभी उन्हें अहसास हुआ कि अगर रथ रुका तो अनर्थ हो जाएगा।

तालाब के पास दो खर मौजूद थे। सूर्यदेव ने घोड़ों को पानी पीने और विश्राम के लिए वहां छोड़ दिया और खर यानी गधों को रथ में जोत लिया। गधों को सूर्यदेव का रथ खींचने में जद्दोजहद करने से रथ की गति हल्की हो गई और जैसे-तैसे सूर्यदेव इस एक मास का चक्र पूरा किया। सूर्य का रथ फिर अपनी गति में लौट आया।

विवाह के 11 शुभ नक्षत्रों में से 4 रहेंगे

डॉ. मिश्र का कहना है कि ज्योतिष ग्रंथों में विवाह मुहूर्त के लिए 11 शुभ नक्षत्र बताए गए हैं। इनमें उत्तराषाढ़, उत्तराभाद्रपद और रेवती नक्षत्र भी शामिल हैं। ये नक्षत्र 7, 11, 12 और 13 तारीख को रहेंगे। साथ ही विवाह के लिए शुभ मार्गशीर्ष महीने का शुक्लपक्ष भी रहेगा। इस तरह शादियों के लिए सिर्फ 4 दिन रहेंगे।

7 दिसंबर, मंगलवार - उत्तराषाढ़ नक्षत्र (विवाह के लिए 10 रेखा के लग्न) हैं। 11 दिसंबर, शनिवार - उत्तराभाद्रपद नक्षत्र (विवाह के लिए 9 रेखा के लग्न) 12 दिसंबर, रविवार - उत्तराभाद्रपद नक्षत्र (विवाह के लिए 9 रेखा के लग्न) 13 दिसंबर, सोमवार - रेवती नक्षत्र (विवाह के लिए 6 रेखा के लग्न)

ये आसान उपाय घर में उन्नति और खुशियों का खोलेंगे द्वार

संतोष वाधवानी
रत्न विशेषज्ञ
अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन
प्रदेश प्रवक्ता

उन्नति के लिए जरूरी है कि घर-परिवार के सदस्यों के बीच हमेशा प्रेम भाव बना रहे। जहां कलह का वातावरण रहता है माना जाता है कि वहां नकारात्मक शक्तियां निवास करने लगती हैं और वहां रहने वालों की हर प्रकार की उन्नति के मार्ग थम जाते हैं। वास्तु में कुछ आसान से उपाय बताए गए हैं जो परिवार में प्रेम तो बढ़ाएंगे ही साथ ही नकारात्मक शक्तियों और नकारात्मक विचारों को जीवन से दूर करने में सहायक होंगे। आइए जानते हैं इन उपायों के बारे में। अगर हाथ में धन नहीं ठहरता है या फिजूल खर्च अधिक होता है तो शनिवार के दिन घर के पास किसी मंदिर में हलवे और खिचड़ी का दान करें। अगर परिवार के सभी सदस्य जमीन पर बैठकर एक साथ भोजन करें तो कारोबार या कार्यक्षेत्र में बरकत होने लगती है। आर्थिक संकटों से मुक्ति के लिए शनिवार के दिन बहते पानी में अखरोट या नारियल को प्रवाहित कर दें। शुक्रवार के दिन माता लक्ष्मी के सामने सोने के आभूषण रखें और इन पर केसर का तिलक लगाएं। कनकधारा स्तोत्र का पाठ करें। हर जरूरतमंद की सहायता करने का प्रयास करें। परिवार में पति के भोजन कर लेने के बाद पत्नी को भोजन करना चाहिए। पति हमेशा अपनी पत्नी का सम्मान करें। सुखी दांपत्य जीवन के लिए पीपल और केले के पेड़ की पूजा करें। अपने वेतन को प्रतिमाह अपनी पत्नी को दें। पत्नी द्वारा ही उस वेतन को तिजोरी में रखा जाए। कभी भी अपने साथी को कम वेतन के लिए उलाहना नहीं देना चाहिए। घर में चींटी, पक्षी, गाय, कुत्ता, कौवा के लिए अन्न-जल की व्यवस्था करें। बुधवार के दिन कन्याओं को हरे वस्त्र या हरी चूड़ियों का दान करें। शिक्षक या मंदिर के पुजारी को पीला वस्त्र, धार्मिक पुस्तक, पीले खाद्य पदार्थ दान करें। घर में सुख शांति के लिए सुबह-शाम कर्पूर जलाएं। घर में सदैव सुगंधित वातावरण रखें।

अगहन महीने की परंपरा : मार्गशीर्ष मास में केले के पेड़ की पूजा की परंपरा, इससे पूरी होती है मनोकामना

पुराणों में अगहन को पवित्र महीना बताया गया है। ये श्री कृष्ण का प्रिय महीना है। इसलिए मार्गशीर्ष मास में भगवान विष्णु और केले के पेड़ की पूजा करने की परंपरा बताई गई है। पौराणिक कथा और धार्मिक मान्यताओं में भी पेड़-पौधों को पूजने का बहुत महत्व है। इन वृक्षों में केले का पेड़ भी पूजनीय है, जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें भगवान विष्णु का वास होता है। इसलिए अगहन महीने में केले की जड़ में पूजा करने से भगवान विष्णु बहुत प्रसन्न होते हैं।

केले के पेड़ की पूजा से पूरी होती मनोकामना

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार केले के पेड़ में साक्षात देव गुरु बृहस्पति वास करते हैं तो कि भगवान विष्णु के ही अंश माने जाते हैं। इसलिए अगहन महीने में भगवान विष्णु की पूजा करने के बाद भक्त केले की जड़ में फूल, चंदन और जल चढ़ाकर केले की पूजा करते हैं। पिछले महीने की 21 तारीख से देव गुरु बृहस्पति का राशि परिवर्तन हो चुका है। गुरु, मकर राशि से निकलकर कुंभ राशि में प्रवेश कर चुके हैं। इसलिए सर्वकार्य सिद्धि के लिए इस पूजा का भी महत्व है।

दुर्वासा ऋषि से जुड़ी है पौराणिक कथा

ऋषि दुर्वासा बहुत क्रोधी ऋषि थे। ऋषि अंबरीष की बेटी कंदली से उनका विवाह हुआ था। एक बार कंदली से ऋषि दुर्वासा की आज्ञा की अवहेलना हो गई। इससे वे कंदली पर बहुत क्रोधित हुए और उन्हें भस्म होने का श्राप दे दिया। शाप से कंदली राख बन गईं। बाद में ऋषि भी इस घटना पर दुखी हुए। जब कंदली के पिता ऋषि अंबरीश आए तो अपनी पुत्री को राख बना देखकर बहुत दुखी हुए। तब दुर्वासा ऋषि ने कंदली की राख को वृक्ष में बदल दिया और वरदान दिया कि अब से हर पूजा व अनुष्ठान में इसका विशेष महत्व होगा। इस तरह केले के वृक्ष का जन्म हुआ और केले का फल हर पूजा का प्रसाद बना। वृक्ष पूजनीय मान्य हुआ।

ध्यान रखने वाली बातें

1. अगहन महीने में एकादशी या गुरुवार को सूर्योदय से पहले मौन व्रत का पालन करते हुए स्नान करें।

2. इसके बाद जहां भी केले का वृक्ष हो वहां उसे प्रणाम कर जल चढ़ाएं।

3. ध्यान रखें कि घर के आंगन में यदि केले का वृक्ष लगा हो तो उस पर जल ना चढ़ाएं। बाहर के केले के वृक्ष में ही जल चढ़ाएं।

4. केले के वृक्ष पर हल्दी की गांठ, चने की दाल और गुड़ अर्पित करें।

5. अक्षत और पुष्प चढ़ाकर केले के पेड़ की परिक्रमा करें और क्षमा प्रार्थना करें।

अदाणी ट्रांसमिशन ने सस्टेनेबल बिजनेस और ईएसजी एक्सीलेंस लक्ष्यों में तेजी लाने के लिए लिसा मैक्कलम को स्वतंत्र निदेशक बनाया

लिसा मैक्कलम, कंपनी के गवर्नेंस की सर्वोत्तम प्रथाओं, ग्राहक, कर्मचारी और हितधारक के अनुभवों और ईएसजी कमिटमेंट डिलिवरी को प्रभावित करने के लिए एटीएल बोर्ड में शामिल हो रही है।

अहमदाबाद। एजेंसी

भारत की सबसे बड़ी निजी ट्रांसमिशन कंपनी और डायवर्सिफाइड अदाणी ग्रुप ऑफ कंपनीज की एक प्रमुख सूचीबद्ध इकाई, अदाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड (एटीएल) ने आज स्वतंत्र निदेशक के रूप में सुश्री लिसा मैक्कलम की नियुक्ति की घोषणा की, ताकि एटीएल के पर्यावरण और सामाजिक प्रभाव निवेश, और उद्देश्य को प्रमुखता प्रदान करने वालेगवर्नेंस और बिजनेस के लिए ज्ञान और अनुभव के नए स्तर पर पहुंचा जा सके। एक उद्देश्यपूर्ण बिजनेस और ब्रांड रणनीति केंद्रित उद्यम, इंस्पायर्ड कंपनीज की संस्थापकमैक्कलम, एटीएल की पहली गैर-भारतीय राष्ट्रीय निदेशक और बोर्ड में शामिल होने वाली दूसरी महिला निदेशक हैं। यह कदम कंपनी के अपने पर्यावरण, सामाजिक और कॉरपोरेट गवर्नेंस (ईएसजी) विजन, हितधारक जुड़ाव और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड प्रभाव को पूरा करने के लिए नेतृत्व और क्षमता को मजबूत करने के रणनीतिक प्रयासों का एक हिस्सा है।मैक्कलम ने ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में केपीएमजी के साथ अकाउंटिंग, वित्त और कंसल्टिंग क्षेत्र में अपने प्रोफेशनल जिंदगी की शुरुआत की थी। उन्होंने अमेरिका स्थित नाइके इंक (2001-2014) में एक लंबे कॅरियर का आनंद लियातथाकॉमर्शियल और ब्रांड रणनीति के लिए भूमिका निभाते हुए एक्जीक्यूटिव लीडरशिप टीम में और नाइके के कॉरपोरेट परोपकार और वैश्विक सामुदायिक निवेश के वाइस प्रेसिडेंट के रूप में सेवा की। नाइके में शामिल होने से पहले, मैक्कलम ने टोक्यो-स्थित मल्टी-मीडिया और एक्जीक्यूटिव एजुकेशन कंपनी, बिजनेस ब्रेकथ्रू, इंककी सह-स्थापना की। वह वर्तमान में केएओ कॉरपोरेशन जापान के ईएसजी सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं और बॉन्ड विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया लिमिटेड और सिएटल स्थित एम्प्लॉयी एक्सपीरियंस कंपनी, लाइमेडे लिमिटेडकीएक स्वतंत्र गैर-कार्यकारी निदेशक हैं।

लिसा व्यापक मल्टी-सेक्टर, अंतरराष्ट्रीय अलायंस बिल्डिंग अनुभव और उद्देश्यपूर्ण बिजनेस लीडरशिप के साथ एटीएल बोर्ड में शामिल हुईं हैं। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम यंग ग्लोबल लीडर की पूर्व-छात्र, संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल बिजनेस गोल्स के लिए वर्ल्ड बेंचमार्किंग एलायंस की ग्लोबल एम्बैसेडर हैं और एक मीनिंगफुल बिजनेस लीडरशिप 100की पुरस्कार विजेता हैं। उन्होंने हाल ही में ब्रिटिश टेलीकॉम पीएलसी की कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी एंड रिस्पॉन्सिबिलिटी बोर्ड कमेटी में 2015 से 2019 तक एक पूर्ण-कालिक स्वतंत्र निदेशक का कार्यकाल पूरा किया है।अदाणी ट्रांसमिशन के एमडी और सीईओ, अनिल सरदाना ने कहा, 'लिसा अंतरराष्ट्रीय ब्रांड रणनीति, उद्देश्यपूर्ण बिजनेस, ईएसजी और कॉरपोरेट परोपकार के क्षेत्रों में प्रमुख वैश्विक ब्रांड्स के साथ अनुभव की एक रोमांचक रेंज लेकर आई हैं। दशकों के अनुभव और कॅरियर की उपलब्धियों के साथ उन्हें अपने साथ बोर्ड में लाकर और उन्हें अपने साथ काम करते हुए पाकर हम रोमांचित हैं। यह नियुक्ति हमारी ईएसजी प्रतिबद्धताओं और उससे आगे के उद्देश्यों को हासिल करने हेतु विविधता और समृद्ध डोमेन विशेषज्ञता लाने के लिए एटीएल के लक्ष्य का एक अनिवार्य हिस्सा है।

भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान (CIIL) और Koo App ने मिलाया हाथ

■आपत्तिजनक माने जाने वाले शब्दों और वायांशों का एक संग्रह तैयार करेगा सीआईआईएल ■भारतीय भाषाओं के संदर्भ, तर्क और व्याकरण को परिभाषित करेंगे ■प्लेटफॉर्म पर सुरक्षा बढ़ाने और दुरुपयोग को रोकने के लिए ख्दद तकनीकी सहायता प्रदान करेगा और कंटेंट मॉडरेशन नीतियों को मजबूत करेगा

संदीप सकलेचा

सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकने और भाषा के उचित इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए मैसूर स्थित सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन लैंग्वेजेज (CIIL) ने भारत के बहुभाषी माइक्रो-ब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म Koo App की होल्डिंग कंपनी बॉम्बिनेट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत सरकार द्वारा भारतीय भाषाओं के विकास के सामंजस्य के लिए स्थापित की गई CIIL अब Koo App के साथ संयुक्त रूप से काम करेगी, ताकि इसकी कंटेंट मॉडरेशन नीतियों को मजबूत करने के साथ ही यूज़र्स को ऑनलाइन सुरक्षित करने में मदद मिल सके। यह समझौता यूजर्स को ऑनलाइन दुर्व्यवहार, बदमाशी और धमकियों से बचाने की दिशा में काम करेगा और एक पारदर्शी और अनुकूल कसो सिस्टम का निर्माण करेगा।

इस समझौते के जरिये CIIL शब्दों, वाक्यांशों, संक्षिप्त रूपों और संक्षिप्त शब्दों सहित अभिव्यक्तियों का एक कोष तैयार करेगा, जिन्हें भारत के संविधान में आठवीं अनुसूची की 22 भाषाओं में आक्रामक या संवेदनशील माना जाता है। जबकि ख्दद App कोष बनाने के लिए प्रासंगिक डेटा साझा करेगा और इंटरफेस बनाने के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करेगा जो सार्वजनिक पहुंच के लिए कोष की मेजबानी करेगा। यह सोशल मीडिया पर भारतीय भाषाओं के जिम्मेदार इस्तेमाल को विकसित करने के लिए एक दीर्घकालिक समझौता है और यह यूजर्स को सभी भाषाओं में एक सुरक्षित और व्यापक नेटवर्किंग अनुभव प्रदान करके दो साल के लिए वैध होगा। CIIL और Koo App के इस संयुक्त अग्रणी कार्य का उद्देश्य भारतीय भाषाओं में शब्दों और अभिव्यक्तियों के ऐसे शब्दकोश विकसित करना है, जिन्हें आक्रामक, अपमानजनक या आपत्तिजनक माना जाता है और इन भाषाओं में कुशल कंटेंट मॉडरेशन को सक्षम किया जा सके। भारतीय संदर्भ में इस तरह की पहल को पहले कभी लागू नहीं किया गया था। इस समझौते का स्वागत करते हुए CIIL के निदेशक प्रो. शैलेंद्र मोहन ने कहा कि भारतीय भाषाओं के यूजर्स को ख्दद मंच पर संवाद करने में सक्षम बनाना, वास्तव में समानता और बोलने की स्वतंत्रता के अधिकार की अभिव्यक्ति है, जो हमारे बहुत सम्मानित संवैधानिक मूल्य हैं। CIIL और ख्दद के बीच समझौता ज्ञापन यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक प्रयास है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल, विशेष रूप से Koo App, बोलने/लिखने की स्वच्छता के साथ आता है और यह अनुचित भाषा और दुरुपयोग से मुक्त है। सोशल मीडिया पोस्ट के लिए सुखद और सुरक्षित वातावरण बनाने की दिशा में ख्दद की इस पहल को प्रोत्साहित करते हुए प्रो. मोहन ने कहा कि Koo App के प्रयास सराहनीय हैं। इसलिए, CIIL कोष के माध्यम से भाषा परामर्श प्रदान करेगा और जिम्मेदार एवं स्वच्छ सोशल मीडिया चर्चा को हासिल करने के लक्ष्य को साकार करने में Koo टीम के हाथों को मजबूत करेगा। इस सहयोग पर प्रकाश डालते हुए Koo App के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अप्रमेय राधाकृष्ण ने कहा, 'एक बेहतरीन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के रूप में ख्दद भारतीयों को कई भाषाओं में जुड़ने और चर्चा में सक्षम बनाता है। हम ऑनलाइन इको सिस्टम को बढ़ाकर अपने यूजर्स को सशक्त बनाना चाहते है, ताकि दुरुपयोग को प्रभावी तरीके से रोका जा सके। हम चाहते हैं कि हमारे यूजर्स भाषाई संस्कृतियों के लोगों के साथ सार्थक रूप से बातचीत करने के लिए मंच का लाभ उठाएं। हम इंटरनेट यूजर्स के लिए परस्पर दुनिया को अधिक सुरक्षित, भरोसेमंद और विश्वसनीय बनाने के लिए और इस कोष के निर्माण के लिए प्रतिष्ठित सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन लैंग्वेजेज के साथ साझेदारी करते हुए प्रसन्न हैं।'

BitMEX ने पेश किया अब तक का सबसे फायदेमंद क्रिप्टो उत्पाद 'EARN'

BitMEX EARN शुरुआत के ग्राहकों के लिए Tether पर 100% तक का एपीआर ऑफर करता है

माहे, सेशेल्स। वैश्विक क्रिप्टोक्यूरेंसी ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म BitMEX ने आज BitMEX EARN के लॉन्च की घोषणा की। यह ब्याज देने वाला उत्पाद सभी सार्वजनिक कमाई उत्पादों के मुकाबले उच्चतम वार्षिक प्रतिशत दर (एपीआर) प्रदान करता है। BitMEX EARN उत्पाद, एक निर्धारित अवधि के लिए फण्ड की सदस्यता लेने वाले उपयोगकर्ताओं को 14 - 100% एपीआर के ब्याज भुगतान से पुरस्कृत करता है। इसके अलावा, BitMEX EARN बाजार में अपने प्रकार का एकमात्र उत्पाद है जो 100% बीमा फंड समर्थित है। सभी भुगतानों की गारंटी उद्योग के सबसे बड़े फंडों में से एक BitMEX बीमा कोष द्वारा दी जाती है। BitMEX EARN पर उपलब्ध पहली क्रिप्टोक्यूरेंसी Tether (USDT ERC-20) है। BitMEX के ग्राहक, जो 7 दिसंबर 2021 से पहले सदस्यता लेते हैं वे प्रति उपयोगकर्ता USDT 1,000 तक के जमा राशि पर ऊपी पर 100% एपीआर तक और USDT 100,000 तक के जमा राशि पर 14% एपीआर तक कमाने के अर्ली बर्ड ऑफर का फायदा उठा सकते हैं। BitMEX EARN पर अधिक विवरण यहां पाया जा सकता है। अलेक्जेंडर हॉप्टनर, मुख्य कार्यकारी अधिकारी - BitMEX ने कहा, 'BitMEX EARN से कोई भी आसानी से दो अंकों का रिटर्न उत्पन्न प्राप्त कर सकता है - जो TradFi उत्पादों से मिलने वाली दरों से काफी अधिक है। हमारे EARN उत्पादों का एपीआर अन्य क्रिप्टो प्लेटफॉर्म पर पेश किए जाने वाले उत्पादों, जिनकी समान उत्पादों पर हेडलाइन दरें आमतौर पर अप्राप्य शर्त आवश्यकताओं से जुड़ी होती हैं. उनसे कहीं अधिक है। हमने अपनी सदस्यता प्रक्रिया को भी सुव्यवस्थित किया है, जिससे यह एक ऐसा उत्पाद बन गया है जो, न केवल पेशेवरों के लिए, लेकिन सभी प्रकार के व्यापारियों के लिए आकर्षक बन गया है।'

पांच साल में सरकारी रिकॉर्ड से 3.96 लाख कंपनियों को हटाया गया

नयी दिल्ली। एजेंसी

कंपनी कानून के तहत उचित प्रक्रिया का पालन करने के बाद पिछले पांच वित्त वर्षों में 3.96 लाख से अधिक कंपनियों को सरकारी रिकॉर्ड से हटा दिया गया। सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। कंपनी अधिनियम, 2013 को लागू करने वाले कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने पिछले वित्त वर्ष में सरकारी रिकॉर्ड से 12,892 कंपनियों को हटाया, जबकि 2019-20 में यह संख्या 2,933 थी। कॉरपोरेट मामलों के राज्यमंत्री राव इंद्रजीत सिंह द्वारा मंगलवार को एक लिखित उत्तर में राज्यसभा को उपलब्ध कराए गए आंकड़े बताते हैं कि पिछले पांच वित्त वर्षों में कुल 3,96,585 कंपनियों को कंपनी पंजीयक से हटाया गया है। वर्ष 2016-17 में कुल 7,943 कंपनियों को रजिस्टर से हटाया गया, जबकि वर्ष 2017-18 में यह संख्या 2,34,371 और वर्ष 2018-19 में 1,38,446 थी। यह पूछे जाने पर कि क्या अनुपालन में कमी के कारण कई कंपनियों को बंद कर दिया गया, मंत्री ने 'हां' में जवाब दिया। एक अलग लिखित जवाब में सिंह ने कहा कि सीएसआर (कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व) ढांचा प्रकटीकरण-आधारित है और सीएसआर के तहत आने वाली कंपनियों को सालाना आधार पर ऐसी गतिविधियों का ब्योरा एसीए 21 रजिस्ट्री में दाखिल करना होता है।

ASSOCIATION OF INDUSTRIES MADHYA PRADESH
INDIAN PLASTPACK FORUM
FUTURE COMMUNICATIONS
MEDIA PARTNER
इंडियन प्लास्ट टाईम्स

YOU ARE CORDIALLY INVITED AT
Central India's Largest SME Exhibition
Industrial ENGINEERING EXPO
CONCURRENT EVENTS
IND PHARMA & LABMECH expo
PLAST PACK & PRINT EXPO 2021
INDORE 17 18 19 20 DEC 2021
LABHGANGA EXHIBITION CENTRE
NEAR STAR SQUARE,NEXT TO HOTEL THE PARK, BEFORE BEST PRICE MALL, BY PASS
9826887300, 9826497000, 9981224262
futuretradefairs@gmail.com, industrialenggexpo@gmail.com | www.eng-expo.in
ALL COVID-19 PROTOCOLS ARE IN PLACE / ENTRY ONLY FOR FULLY VACCINATED

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।